
Bhadragiripati Samstuti

——
भद्रगिरिपति संस्तुतिः

——
Document Information



Text title : bhadragiripatisaMstutiH

File name : bhadragiripatisaMstutiH.itx

Category : raama

Location : doc_raama

Latest update : April 28, 2019

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com


This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

May 31, 2020


sanskritdocuments.org




Bhadragiripati Samstuti

——
भद्रगिरिपति संस्तुतिः
——

धरणीतनया रमणी कमनीय सीताङ्क मनोहररूप हरे ।
भरताग्रज राघव दाशरथे विजयी भव भद्रगिरीन्द्रपते ॥ १ ॥
बुधलक्षणलक्षण सर्वविलक्षण लक्षणपूर्वज राम हरे ।
भवपाशविनाशक हे नृहरे विजयी भव भद्रगिरीन्द्रपते ॥ २ ॥
धरचक्र धनुश्शरदीप्त चतुष्करचक्रभवाद्यभवादिविभो ।
परचक्रभयङ्कर हे भगवन् विजयी भव भद्रगिरीन्द्रपते ॥ ३ ॥
अधिनीरजजन्मसुरेशमुनीन्द्रविलक्षणलक्षणदक्षपते ।
नवकन्धरसुन्दरदिव्यतनो विजयी भव भद्रगिरीन्द्रपते ॥ ४ ॥
सततः प्रततः प्रचरैः करुणा भरणै स्तव दिग्विसरैर्नमित ।
स्मरणाभिरतं भवतं सततं कुरु मामिह भद्रगिरीन्द्रपते ॥ ५ ॥
सचतुर्मुखषण्मुखपञ्चमुख प्रमुखाखिलदैवतमौलिमणे ।
शरणागतवत्सल सारनिधे परिपालय मां वृषशैलपते ॥ ६ ॥
अभिरामगुणाकर दाशरथे जगदेकदनुर्धर धीरमते ।
रघुनायक राम रमेश विभो वरदोभव देव दयाजलधे ॥ ७ ॥
इति भद्रगिरिपति संस्तुतिः समाप्ता ।

——
Bhadragiripati Samstuti

pdf was typeset on May 31, 2020

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

